हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 25 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

डाकघरों में 25 एवं 26 मई को चलेगा विशेष आधार पंजीयन एवं अपडेशन अभियान

मण्डला। मंडला संभाग अंतर्गत डाकघरों में संचालित आधार सेवा केंद्रों पर नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेशन तथा आधार डेटा में मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी लिंक/अपडेट करने के लिए 25 एवं 26 मई को विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 22 एवं 23 मई को टोकन वितरित किए जाएंगे। विशेष अभियान के दौरान सभी आधार सेवा केंद्र प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक संचालित होंगे, जबकि प्रधान डाकघर मंडला में संचालित आधार सेवा केंद्र प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक कार्य करेगा। नागरिक अपने निकटतम डाकघर आधार केंद्र पहुंचकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। मंडला संभाग अंतर्गत 1 प्रधान डाकघर एवं 9 उपडाकघरों में आधार पंजीयन एवं अपडेशन अभियान संचालित किया जा रहा है। मंडला जिले में स्थित आधार सेवा केंद्रों में प्रधान डाकघर मंडला, उपडाकघर नैनपुर, उपडाकघर निवास, उपडाकघर पिंडरई, उपडाकघर चिरईडोंगरी, उपडाकघर महाराजपुर, उपडाकघर डिंडोरी, उपडाकघर शाहपुरा निवास, उपडाकघर बम्हनी तथा उपडाकघर सिझौरा शामिल हैं।

सुबह से तपती धूप, आसमान उगल रहा आग

इस सीजन 45 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

*** दिन में सडक़ें सूनी और रात भी बेचैन भरी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

इस बार की गर्मी ने अच्छे अच्छों की गर्मी निकाल दी। सुबह से ही तपती तेज धूप से लोग बेहाल हो जाते हैं। दोपहर के समय तो मानों ऐसा लगता है कि आसमान आग उगल रही है। पूरी सडक़ें सूनसान हो जाती हैं और कामकाजी लोग जैसे तैसे अपने कामों को निपटाते नजर आते हैं। जानकारों का कहना है कि लगातार पेड़ो की कटाई और पहाड़ो के अवैध उत्खनन से यह हालात निर्मित हुए हैं एक जानकारी के अनुसार विगत 10 सालों में 10 लाख से अधिक पेड़ काटे जा चुकें हैं। कभी सडक़ निर्माण के नाम पर तो कभी बांध निर्माण के नाम पर तो कभी अतिक्रमण की आड़ पर वर्षो पुराने पेड़ो को बेहरमी से काट दिया गया है। जिसका नतीजा है कि इस बार की गर्मी लोगों को रूला चुकी हैं। मई का महीना अपने चरम पर है और इस बार गर्मी ने मंडला जिले में बीते कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सूरज की तपिश इतनी तेज हो चुकी है कि सुबह 10 बजे के बाद ही सडक़ें सूनी नजर आने लगती हैं। दोपहर में ऐसा महसूस हो रहा है मानो आसमान से आग बरस रही हो। जिले में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है जिसने लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात यह हैं कि लोग दिन में घरों से निकलने से बच रहे हैं वहीं रात में भी गर्म हवाओं के कारण चैन की नींद नहीं मिल पा रही। भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों और जल स्रोतों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। शहर से लेकर गांव तक हर कोई गर्मी से परेशान है। तालाबों और नदियों के किनारे लोगों की भीड़ बढ़ गई है। बच्चे और युवा दोपहर के समय पानी में उतरकर राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर अस्पतालों में उल्टी-दस्त, डिहाइड्रेशन और बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

सुबह से ही दिखती तपिश

मंडला में इन दिनों सुबह सूरज निकलते ही गर्मी अपना असर दिखाने लगती है। सुबह 8 बजे के बाद धूप तेज हो जाती है और 11 बजे तक हालात असहनीय होने लगते हैं। दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। आमतौर पर चहल-पहल वाले इलाके भी वीरान नजर आने लगे हैं। लोग जरूरी काम होने पर ही बाहर निकल रहे हैं। शहर के दुकानदारों का कहना है कि गर्मी की वजह से ग्राहकों की संख्या में भारी कमी आई है।

रात में भी नहीं मिल रही राहत

इस बार गर्मी की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि रात में भी तापमान नीचे नहीं उतर रहा। देर रात तक गर्म हवाएं चलती रहती हैं जिससे घरों में उमस बनी रहती है। जिन लोगों के पास कूलर या एसी नहीं हैं उनकी परेशानी और ज्यादा बढ़ गई है। बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। कई इलाकों में रात के समय बिजली ट्रिपिंग की समस्या लगातार सामने आ रही है जिससे लोग पूरी रात जागने को मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर बताई जा रही है। गांवों में पर्याप्त बिजली व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग घरों के बाहर या छतों पर रात गुजार रहे हैं।

स्वास्थ्य पर पड़ा गंभीर असर

भीषण गर्मी का सीधा असर लोगों की सेहत पर दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टरों के मुताबिक सबसे ज्यादा समस्या डिहाइड्रेशन, लू, उल्टी-दस्त, चक्कर और बुखार की सामने आ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप में ज्यादा देर रहने से शरीर में पानी की कमी तेजी से होती है। यदि समय पर सावधानी नहीं बरती जाए तो व्यक्ति लू का शिकार हो सकता है। अस्पतालों में बच्चों और बुजुर्गों की संख्या अधिक देखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है।

जल संकट की भी चिंता

गर्मी बढऩे के साथ ही कई गांवों में जल संकट की स्थिति बनने लगी है। हैंडपंपों का जलस्तर नीचे चला गया है और कई कुएं सूखने की कगार पर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पानी भरने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। महिलाएं सुबह-सुबह पानी भरने निकल जाती हैं ताकि तेज धूप से बचा जा सके। कुछ इलाकों में टैंकरों के माध्यम से पानी सप्लाई की जा रही है लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं मानी जा रही।

बिजली कटौती से परेशानी

एक ओर गर्मी चरम पर है दूसरी ओर बिजली की आंख-मिचौली ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शहर के कई मोहल्लों में रात के समय बिजली ट्रिपिंग और कटौती की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोग रातभर गर्मी में परेशान हो रहे हैं। कूलर और पंखे बंद होते ही घरों में उमस बढ़ जाती है। बिजली विभाग का कहना है कि अत्यधिक लोड बढऩे के कारण ट्रांसफार्मर और लाइनें प्रभावित हो रही हैं। गर्मी के कारण बिजली की मांग अचानक बढ़ गई है। विभाग की टीमें लगातार सुधार कार्य में लगी हुई हैं लेकिन समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो पा रही।

ठंडे पेय और फलों की मांग

भीषण गर्मी के चलते बाजारों में ठंडे पेय पदार्थ नींबू पानी गन्ने का रस तरबूज खरबूज और खीरे की मांग बढ़ गई है। जगह-जगह लोग ठंडे पेय बेचते दिखाई दे रहे हैं। कई लोग दोपहर में घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल साथ लेकर चल रहे हैं। डॉक्टर भी लोगों को ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ लेने की सलाह दे रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है।

मौसम विभाग का अलर्ट

मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों तक भीषण गर्मी जारी रहने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार अभी तापमान में ज्यादा गिरावट की उम्मीद नहीं है। तेज गर्म हवाएं और लू का असर बना रहेगा। लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से धूप में बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ते तापमान के कारण हर साल गर्मी का असर और ज्यादा खतरनाक होता जा रहा है।

सुंदरकांड समिति द्वारा अखंड रामायण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

राधा कृष्ण कुटी नारायणगंज में विगत 4 वर्षों से सुंदरकांड समिति राधा कृष्ण कुटी नारायणगंज में हर मंगलवार को सुंदरकांड का आयोजन किया जाता है जिसमें समिति द्वारा सुंदरकांड कथा का वचन होता है समिति के सदस्यों द्वारा 4 वर्षों पूर्ण हो जाने पर अखंड रामायण का आयोजन किया गया है लगातार मंगलवार को राधा कृष्ण कुटी में सुंदरकांड होता है इस अवसर पर 4 वर्ष पूर्ण होने पर अखंड रामायण का आयोजन किया गया है जिसका समापन आज 24 तारीख में दिन रविवार को समापन किया गया है समिति द्वारा हवन पूजा एवं भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें सभी सदस्य रघुनंदन विश्वकर्मा राजेश सोनी राजू साहू विनोद अग्रवाल गिरीश अग्रवाल मगन अग्रवाल चितेंद्र अग्रवाल राजेंद्र सोनी राजू साहू संतोष सोनी नरेश सोनी विकास अग्रवाल राकेश शर्मा दिनेश साहू एवं सभी समिति के सदस्य एवं आसपास के लोगों के द्वारा अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए एवं धर्म लाभ लेने के लिए निवेदन किया गया है।

रीवा में आर्यिकाओं को कार ने मारी टक्कर, दो साध्वी माताजी की संदिग्ध मौत पर जैन समाज में आक्रोश

मण्डला। रीवा में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा दीक्षित आर्यिका श्रुतमति माता जी एवं आर्यिका उपशम मति माता जी को शनिवार प्रातः लगभग 6:30 बजे शौच हेतु जंगल जाते समय एक कार ने टक्कर मार दी। घटना में दोनों आर्यिकाओं की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। बताया गया है कि वाहन क्रमांक MH 49 CD 8309 नागपुर पासिंग कार थी। घटना के बाद जैन एवं जैनेतर समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। वर्तमान में मंडला स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका उपशांत मति माता जी का ग्रीष्मकालीन वाचन चल रहा है। घटना के विरोध में 25 मई 2026 को प्रातः 8 बजे श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से कलेक्ट्रेट तक मौन रैली निकाली जाएगी तथा ज्ञापन सौंपा जाएगा। रैली में जैन समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समिति सदस्यों की सहभागिता रही।

दिलीप कुमार गर्ग पंचतत्व में विलीन

भुआबिछिया। नगर के संभ्रांत नागरिक वन विभाग में सेवारत और पिछले 40 वर्षों से निस्वार्थ भाव से श्री राम मंदिर भुआ बिछिया में पूजन का दायित्व संभाल रहे पंडित दिलीप कुमार गर्ग अब हमारे बीच नहीं रहे संतुलित दिनचर्या एवं स्वस्थ शरीर के मालिक श्री गर्ग की अचानक 16 मई को तबीयत खराब हुई और वह देखते ही देखते चेतना शून्य हो गए बिछिया से मंडला और फिर मंडला से जबलपुर मेडिकल कॉलेज उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया जहां गहन चिकित्सा इकाई में उन्हें भर्ती कर उपचार किया जाता रहा लेकिन नियति को शायद कुछ और ही मंजूर था चिकित्सकों के अथक प्रयास के बावजूद उनकी चेतना वापस नहीं लौटी और कल 24 मई 2026 को उन्होंने अंतिम सांस ली और इस संसार से विदा हो गए विडंबना देखिए कि इसी 30 जून को वे वन विभाग की सेवा से सेवानिवृत होने जा रहे थे कि इसके पूर्व ही जीवन से ही निवृत हो गए कल नगर के मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय जन पत्रकार शासकीय कर्मचारी अधिकारी सहित राजनीतिक वर्ग के लोग शामिल रहे जिन्होंने नम आंखों से दिवंगत दिलीप कुमार गर्ग को अंतिम विदाई दी ज्ञात हो कि दिलीप कुमार गर्ग पत्रकार सुनील गर्ग एवं सतीश गर्ग के भ्राता श्री थे।

डीके हेल्थ केयर में लगा निःशुल्क हेल्थ कैम्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

डीके हेल्थ केयर हॉस्पिटल कटरा रोड में हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। यहां पर लगभग 150 मरीजों की जांच की गई। वहीं 25 मरीजों की एंडोस्कोपी करते हुए उचित परामर्श दिया गया। यह पूरा कैम्प निःशुल्क आयोजित हुआ। यहां पर डॉ जतिन खातोडकर, डॉ. नूपिका पथरिया, डॉ चैतन्य धाबर्डे के विशेष प्रयास से आयोजित शिविर में मिडास हॉस्पीटल नागपुर के प्रसिद्ध गैस्ट्रो एंटरोलॉजिस्ट एवं इंटरवेंशनल एंडोस्कोपिस्ट डॉ. सौरभ मुकेवार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिले के कटरा रोड स्थित डीके हेल्थ केयर हॉस्पिटल में रविवार को निःशुल्क हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। यहां आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सका। स्वास्थ्य शिविर को लेकर सुबह से ही मरीजों की भीड़ अस्पताल परिसर में देखने को मिली। पेट, गैस, अल्सर, लिवर एवं पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान मरीजों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लिया। शिविर में आधुनिक उपकरणों के माध्यम से जांच की गई और मरीजों को उनके स्वास्थ्य के अनुसार आवश्यक सावधानियां एवं उपचार संबंधी सलाह दी गई। डॉ. सौरभ मुकेवार ने मरीजों की जांच करते हुए कहा कि आज के समय में अनियमित खानपान और बदलती जीवनशैली के कारण पेट और पाचन संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। समय पर जांच और सही उपचार से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। डॉ. सौरभ मुकेवार ने एंडोस्कोपी के माध्यम से कई मरीजों की जांच की और उन्हें उचित चिकित्सकीय सलाह दी। शिविर में पहुंचे लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छोटे शहरों में इस प्रकार के विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होते हैं क्योंकि इससे बड़े शहरों में जाकर महंगा इलाज कराने की परेशानी कम होती है। डीके हेल्थ केयर हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे ताकि जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें। पूरे आयोजन के दौरान अस्पताल स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही और मरीजों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने स्व. अमर सिंह कुलस्ते के गृह ग्राम पहुँचकर परिजनों से मुलाकात

नारायणगंज। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ नारायणगंज द्वारा स्वर्गीय अमर सिंह कुलस्ते के गृह ग्राम हर्राटीकुर पहुँचकर परिजनों से मुलाकात कर दुखित परिवार को सांत्वना प्रदान की। संघ हमेशा हर सुख-दुख में साथ है, यह संकल्प संघ के द्वारा लिया गया। संघ की ओर से 11000/- की सहयोग राशि परिवार को प्रदान की गई। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी कर्मचारी श्री शेख रहमान (ब्लॉक अध्यक्ष आजाद अध्यापक शिक्षक संघ नारायणगंज), हेमन्त मरावी (जिला संयोजक), नरबद मरावी (CAC HSS मंगलगंज), रामदयाल वरकड़े (CAC HSS मंगलगंज), मुकेश पाठक, चन्द्रभान धनगर, अमोल उइके, ओमकार उलाड़ी, सहपत मरावी, चैन सिंह मरावी, सुशील कुमार मरावी एवं ग्राम के सरपंच जी सहित परिवार जन उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग मण्डला की अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में एवं प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली सैयाम के मार्गदर्शन में मण्डला शहर के नर्मदा किनारे क्षेत्र में तलाशी ली गई, जिसमें 25 नग गोवा रम, 15 नग देशी मदिरा प्लेन तथा 2 लीटर हाथ भट्टी शराब बरामद कर जप्त की गई। अवैध रूप से मदिरा विक्रय करने वाले आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जप्त मदिरा की कुल अनुमानित कीमत 6 हजार 450 रुपये बताई गई है। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक श्री सर्वेश नागवंशी, श्री दुर्जन सिंह कुलेश, श्री विजय कमलेश, श्री सत्यपाल मरावी एवं श्रीमती शकुंतला सैयाम उपस्थित रहे।

घुघरी शराब दुकान की शिकायत पर आबकारी विभाग की जांच,

देशी/अंग्रेजी कम्पोजिट शराब दुकान घुघरी की शिकायत की जांच की गई। कार्रवाई आबकारी इंस्पेक्टर एवं आबकारी बल की उपस्थिति में संपन्न हुई। जांच के दौरान संबंधित शराब दुकान का निरीक्षण कर शिकायत के विभिन्न बिंदुओं का परीक्षण किया गया। मौके पर आवश्यक दस्तावेजों एवं व्यवस्थाओं की जांच करते हुए नियमानुसार पंचनामा कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग द्वारा बताया गया कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। विभाग द्वारा अवैध गतिविधियों एवं अनियमितताओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

शराबखोरी | **बरमदाना मार्ग पर गति अवरोधक बनाने की मांग।**

तेज रफ्तार और शराबखोरी से ग्रामीणों में दहशत

*** ग्रामीणों का कहना है कि महिलायें हैं असुरक्षित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

निवास से कुंडम रोड मार्ग पर स्थित ग्राम बरदाना में वाहनों की तेज रफ्तार से लगातार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होने की खबरें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर नियंत्रण नहीं किया गया तो कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों के अनुसार कई वाहन चालक शराब के नशे में लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हैं। यदि कोई उन्हें समझाने या रोकने का प्रयास करता है तो विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है। इस गंभीर समस्या को लेकर बरमदाना निवासी भाजपा नेता तारेंद्र शुक्ला ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि ग्राम बरमदाना मार्ग पर तीन से चार स्थानों पर गति अवरोधकों का निर्माण कराया जाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि अभी तक केवल छोटी घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन यदि प्रशासन ने समय रहते ध्यान नहीं दिया तो बड़ी दुर्घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता। इसलिए जनहित एवं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शीघ्र गति अवरोधक बनाए जाएं।

वहीं क्षेत्रीय ग्रामीणों ने एक अन्य गंभीर समस्या की ओर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है। ग्रामीणों का कहना है कि निवास एवं जबलपुर की ओर से आने-जाने वाले यात्री भीखमपुर तिराहे पर बसों से उतरते हैं और साधनों के अभाव में उन्हें पैदल अपने गांव तक जाना पड़ता है। इसी तिराहे पर दोपहर और शाम के समय आम के पेड़ों के नीचे युवकों द्वारा खुलेआम शराब सेवन किया जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस कारण क्षेत्र से आने-जाने वाली महिलाएं और बहन-बेटियां स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो भविष्य में कोई अप्रिय घटना घट सकती है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करते हुए गति अवरोधक निर्माण, शराबखोरी पर रोक तथा नियमित पुलिस गश्त की मांग की है।

खबर संक्षेप

रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाली दुकानों पर देर रात होने वाली ठोक पीट के चलते लोग रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर मा. न्यायालय द्वारा रात 10 बजे के बाद सभी प्रकार के ध्वनि यंत्रों पर रोक लगा रखी है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर के मध्य जहां तहां खुले वार्क शाप सहित अन्य लोहे का सामन बनाने वाले तथा कथित खारखाने नुमा दुकानों पर रात रात भर लोह के समान की ठोका पीटी होने के कारण लोगों को जहां रात में सोने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही दूसरी इन दुकानों पर लोहे की ठोक पीट के चलते घरों में वृद्व मरीज भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के मध्य रहवासी क्षेत्र में अनेक जगहों पर लोहे की ट्राली सहित अन्य वस्तुओं का रात रात भर निर्माण करते हुए जमकर ठोक पीट की जाती रहती है, जिसके चलते आसपास के क्षेत्र में निवास करने वाले लोग सो नही पा रहे है। इस प्रकार से रात भर ध्वनि करने वालों के खिलाफ न तो प्रशासनिक अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही पुलिस प्रशासन जिसके चलते इनक हौसले बुलंद बताये जा रहे है..? जिसका उदाहरण इस समय के अंदर संचालित हो रहे अनेक वर्कशांपों देखने मिल रहा है, जहां पर बताया जाता है कि नगर के रहवासी इलाको में रात रात भर लोहे की ठोक पीट होती रहती है, जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है.? वही जानकारो के अनुसार बताया जाता है कि इस प्रकार के लोहे से बनने वाले सामन की दुकान व वर्क शाप नगर के अंदर वह रहवासी क्षेत्रों में स्थापित नही किये जा सकते है। मगर अधिकारियों की अनदेखी कही जावे या फिर संरक्षण के चलते नगर में जहां तहां बैलडिंग मशीन चल रही है, वही लोहे से बनने वाले समान की दुकाने जिसके कारण नगरवासियों का परेशान होना पड़ रहा है।

निर्माण सामग्री की कीमतें बढ़नें से टूट रहे आशियाने बनाने के सपने, स्टील के भाव बिक रहा लोहा

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। कोई भी सरकार लाख दावा करें किन्तु हकीकत यह है कि वर्तमान में भीषण महॅगाई की रोकथाम न होने की हालत में आम आदमी की कमर इतनी अधिक तोड़ दी है कि वह आह भरने में भी असमर्थ हो गया। परिवारजनों की आवश्यकताएँ पूरी करने में तो लोगों की सांसें ऊपर नीचे हो रही है, इसके अलावा मध्यवर्गी, गरीब व्यक्तियों के लिए छोटे से आशियाने का निर्माण करना इसलिए मुश्किल हो रहा है। क्योंकि मकानों की निर्माण सामग्री के दाम दिनोंदिन बढ़ते चले जा रहे है। आशियाने के सपनें को पूरा करने में असफल शहर के बाशिन्दो ने हरिभूमि को बताया कि मकान बनाना बुरे ख्वाब के समान हो गया है, सीमेन्ट, रेत, मिट्टी की कीमतें सोने के समान तेजी से बढ़ रही है, लोहे के दाम काफी हद तक महगांई में झूल रहे है, पीली मिट्टी के दाम बढ़नें से भी परेशानी हो रही है। उन्होने बताया कि भवन निर्माण सामग्री में इन दिनो सबसे तेज दौड़ सीमेन्ट लगा रहा है, एक बोरी सीमेन्ट जहां पिछले वर्ष 200 रू. से 400 रू. बोरी तक बिक रहा था, वह अब 300 रू. से 500 रूपया में बिक रहा है। इसी तरह ईट का भी हाल देखने मिल रहा है। क्षेत्र में ईट के भट्टो की संख्या बढ़नें के बावजूद आलम यह है कि 2000 हजार ईटों से भरी हुई ट्राली 12 हजार से लेकर 13 हजार ऊपर में मिल रही है, जिसके चलते माध्यमवर्गीय लोगों का कहना है कि अपने आशियाने के सपने पर ग्रहण लगने से खासतौर से शहर के वे गरीब दिक्कत में आ गए है, जिनके पास या तो स्वयं के घर नही अथवा जिनके वर्षो पुराने कच्चे मकान ध्वस्त होते चले जा रहे है, यह बात अलग है कि कहने को तो सरकार द्वारा लोगों को पक्के मकान बनाकर प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत प्रदान किये जा रहे है। मगर यह योजना ग्रामीण क्षेंत्रों में पूर्णरूप से भाई भतीजावाद की शिकार होकर रहे गई है जिसके चलते अनेक पात्र हितग्राही इस योजना से बंचित होते हुए दिखाई दे रही है। वही दूसरी ओर इस प्रकार से निर्माण सामग्री की कीमत बढ़ने से उद्धेलित लोंगो का कहना है कि परिवहन का चार्ज बढ़ने से इमारती लकड़ी से लेकर मकानो की निर्माण सामग्री की कीमतें आसमान छू रही है। ऐसी स्थिति में जाहिर है मजदूरों के रेट में भी वृद्धि हो रही है, निर्माण सामग्री महंगी होने से व्यापारी, ठेकेदार और रेत के कारोबार से जुड़े काथित रहनुमा तो मजे कर रहे है पर आवासहीनो का खुद के घर का अरमान चूर चूर होता चला जा रहा है।

सिर्फ दिखाबा की जगह पेड़ बनाने के उद्देश्य से होना चाहिये पौधा रोपने के आयोजन,

सड़क किनारे रोपे गये सैकड़ों पौधे रखरखाव के अभाव में सूखकर हो गये बर्बाद, ट्री गार्ड बिखर कर बन रहे मात्र शोभा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लगातार हो रही पर्यावरण के साथ खिलबाड़ तथा पौधा रोपण के नाम पर नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा अपनाई जाने वाली औपचारिकता का परिणाम है कि जहां अब शुद्व हवा मिलना मुश्किल होने लगा है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये 5 साल पहले कोरोना काल की दूसरी लहर के दौरान सैकड़ो लोगों की जान सिर्फ आक्सीजन के आभाव में जाने से नही चूक पाई है? इस तरह यदि पर्यावरण के साथ होती रही खिलबाड़ तो निश्चित तौर से हर व्यक्ति को शुद्व वायु मिलना मुश्किल हो जावेगा। यह बात अलग है कि इस समय मई माह में जिस तरह सूरज की तपन ने जो रूप दिखाया जा रहा है उसके चलते बनी हुई स्थिति के चलते लोगों को पेड़ लगाने को लेकर जागरूकता देखने मिली है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि पेड़ लगाने के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाने से हम पर्यावरण की रक्षा करने में कभी सफल नही हो पायेगे..? अक्सर देखा जाता है कि अनेक आयोजनों के दौरान नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपित करते हुये अखबारों की सुर्खिया बनने से नही चूक पाते है। मगर शायद ही किसी नेता या फिर अधिकारी द्वारा रोपियत किये गये पौधा की वापिस खबर लेने का प्रयास किया गया कि आखिरकार उनके द्वारा रौपा गया पौधा सुरक्षित बचा भी है कि नही..? यदि प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये पांच वर्षो के दौरान जहां हर पंचायत द्वारा वृक्षारोपण के नाम पर पंचायतों में लाखों रूपया शासकीय राशि को खर्च करते हुये पौधा रोपित किये गये थें। मगर उस पौधा रोपण की जांच कराई जावे तो शायद ही किसी पंचायत में मुश्किल से पांच प्रतिशत पौधा सुरक्षित मिल पायेगे..? इसी प्रकार का हाल अन्य शासकीय कार्यालयों से लेकर संस्थाओं का देखने मिलता है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि प्रदेश की सरकार से लेकर शासकीय अधिकारियों द्वारा लगातार पौधा रोपण पर बल देते हुये बारिश का सीजन आने पर इस मुहिम को जोर शोर से चालू किया जाता है। मगर यह मुहिम मात्र रोपित करने तक ही सीमित होने के कारण आज तक प्रकृति हरियाली की चुनरी नही ओड पाई है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये कुछ साल पहले जहां नगर में कुछ समाजसेवियों द्वारा शहर की सड़क किनारे लगभग 15 हजार पौधा रोपने की योजना बनाने के लिये एक बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें अनेक समाज सेवी व नेतागण मौजूद रहे थें। वही दूसरी ओर जिला स्तर पर भी संपूर्ण जिले में हजारों पेड़ लगाने की तैयारी की गई थी। उस समय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी की जा रही तैयारियों से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि बारिश का सीजन शुरू होते ही निश्चित तौर से जहां तहां नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा पौधा रोपण तो किया जावेगा। मगर उस समय भी यह सबाल यह पैदा हो रहा था कि उन पौधों को रोपने के बाद उनको सुरक्षित पेड़ बनाने तक की जिम्मेदारी ली जावेगी कि नही..? मगर उस बैठक के बाद वह पौधे कहा रोपे गये तीन साल से अधिक का समय बीते जाने के बाद आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है...? वही पौधा रोपने के बाद उन्हें नजर अंदाज करने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये दो वर्षो से देखने मिल रहा है कि नगर के रेल्वे स्टेशन से लेकर चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर जहां हजारों की संख्या मे पौधा रोपण करते हुये जहां उन्हें सुन्दर ट्री गार्ड से सजाया तो गया था। मगर उनका उचित रख रखाब नही होने के कारण ट्री गार्डो के अंदर रोपित किये गये पौधा जहां सूख जाने के बाद गायब नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर जिस जगह हरियाते हुये पौधा होना चाहिये थें उनके स्थान पर राजश्री गुटखा के पाऊच या फिर अन्य प्रकार की कचरा दिखाई देने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि कही ऐसा तो नही कि यह ट्री गार्ड इस तरह कचरे की सुरक्षा के लिये स्थापित किये गये हो..? इस तरह बीते हुये तीन वर्षो से गाडरवारा से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर किये गये पौधा रोपण की सच्चाई का हाल इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां रख रखाव व पानी नही मिल पाने के कारण ट्री गार्डो के अंदर लगे हुये सैकड़ो पौधा सूख चुके है और यह ट्री गार्ड जहां सड़को पर बिखर जाने के कारण यातायात व्यवस्था में खतरा बनने से नही चूक रहे है..? इस तरह से मात्र दिखावे के लिये किये जाने वाला पौधा रोपण से पर्यावरण की सुरक्षा हो पाना जहां असंभव ही माना जा सकता है? यदि पर्यावरण की रक्षा को लेकर पौधा रोपण की मुहिम शुरू करनी है तो हर नेता से लेकर अधिकारी व आम जनता को पौधा रोपित करने से अधिक महत्वपूर्ण बात उसकी सुरक्षा की होती है। जब तक रोपित किये गये पौधा की सुरक्षा नही होगी तो वह मात्र रोपित तक ही सीमित होकर रहने से नही चूक पाता है। क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा रोपित किया गया पौधा नही कर सकता है उसे पेड़ की जरूरत होती है और रोपा गया पौधा पेड़ बनकर तैयार हो जावेगा तभी वह हमे आक्सीजन या फिर फल देने में सक्षम होगा। इस समय जिस प्रकार से प्रशासन के अधिकारियों से लेकर समाजसेवियों द्वारा आने वाले बारिश के दिनों में बड़े स्तर से पौधा रोपण की तैयारी की जा रही है बहुत अच्छी बात है। मगर नये पौधा रोपने के जगह यदि हमारे द्वारा जहां तहां सूखते हुये पेड़ो की सुरक्षा करने में सफलता पा ली जावे तो यह एक अच्छी पहल मानी जा सकती है।

युवक की मौत पर देर रात सड़क पर बैठने मजबूर हुई जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति पटैल

रात भर चले जाम के बाद पांच लाख की सहायता राशि पर बनी बात

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। क्षेत्र की सड़को पर दौड़ रहे भारी भरकम बेलगाम डम्परों के चलते स्थिति इस तरह से देखने मिल रही है कि गाडरवारा क्षेत्र में आये दिन आम लोग आम की चटनी के तरह पिसने से नही बच पा रहा है। गाडरवारा शहर हो या फिर सांईखेड़ा, सालीचौका, चीचली या फिर गाडरवारा ककरा घाट की ओर जाने वाले मार्ग की सड़के खून से लाल नजर आने से नही चूक रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ झिकोली सांईखेड़ा मार्ग पर देखने मिली है। जहां पर डम्फर के चपेट में एक बाइक सबार तूमडा निवासी एक की मौत होने से जहां क्षेत्र के लोगों में आक्रोश छाने से नही चूक पाया था। वही घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल सहित समाज सेवी सुरेन्द्र पटैल मझले भैया व मनीष राय देर रात घटना स्थल पर पहुंचते हुये स्टैट हाईवे क्रमांक 44 पर जाम लगाते हुये बैठे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया सहित अन्य अधिकारी पहुंचे। इस तरह आधी रात को 'हाईवे बैरिकेड' पर बैठीं कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनीता पटेल और उनके पति सुरेंद्र पटेल; प्रशासन को खुला चैलेंज दिया कि अब देखते हैं खूनी डंपर कैसे* निकलते हैं...? यह मार्ग देर रात अचानक जाम में बदल जाने के कारण सारी रात चकाजाम चलते हुये देखा गया इसी के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाईने लगने से नही चूक पाई थी। तो दूसरी ओर प्रशासन द्वारा 'मौतों पर सौदाबाजी' करने और मौके पर ही नगद मुआवजा बांटने के पुराने ढर्रे के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा उस समय एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदल गया। जब आधी रात को कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल और उनके पति व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेंद्र पटेल (मझले भैया) स्वयं पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सांईखेड़ा के पास तूमडा की कुइया के पास हाईवे बैरिकेड पर दरी बिछाकर धरने पर बैठ गए। देर रात तक चली प्रशासनिक कश्मकश और कांग्रेस नेतृत्व की मौजूदगी ने अब जिला प्रशासन के साथ-साथ खनिज माफियाओं के होश उड़ा दिए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कुछ ही महीनों पहले उन्होंने जिला प्रशासन को खुलकर आगाह किया था कि रिहायशी और ग्रामीण इलाकों में इन भारी-भरकम खूनी डंपरों का समय निश्चित किया जाए और दिन के समय इनके प्रवेश पर पूर्ण रोक लगाई जाए। मगर इस ओर जिम्मेदारों द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि इस तरह की घटनाये सामने आ रही है। क्योकि पहले सुनीता पटैल द्वारा दी गई अपनी चेतावनी में साफ कहा था कि यदि कोई अनहोनी हुई तो सीधे तौर पर प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस तरह स्टैट हाईवे पर रात भर चले आंदोलन के बाद उम्फर संचालन द्वारा मृतक के परिजनों को सहायता के लिये पांच लाख रूपया दिये जाने के बाद सुबह 5 बजे के लगभग यह चकाजाम समाप्त हो पाया है।

क्षेत्र में खुलेआम दौड़ रहे ओवर लोडिंग वाहन, पुलिस की कार्यवाही मात्र दो पाहिया वाहनों तक की सीमिति क्यों?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय क्षेत्र की पुलिस द्वारा आये दिन दो पाहिया वाहनों के खिलफ अपनी मुहिम चलाते हुए जहां चालानी कार्यवाही करते हुये देखा जाता है। मगर पुलिस की इस मुहिम मात्र छोटे दो पाहिया वाहनों तक ही सीमित रहने के कारण चर्चा का विषय बनी हुई है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस स्थिति में सड़कों पर आटों सहित अन्य वाहनों में ओवर लोड़गि हो रही है उसे पुलिस द्वारा नजर अदांज किया जाना पुलिस की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करते हुए जान पड़ रही है? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय पुलिस द्वारा इस तरह वाहन मालिकों की मनमानी को नजर अंदाज किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि इस समय क्षेत्र के सड़कों पर दौड़ रहे अनेक यात्री वाहनों में ओवर लोडिंग का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो आटों से लेकर मैजिक गाड़ियों में इस स्थिति में ओवर लोडिंग चल रही है जिसके चलते यात्रियों की जान पूर्ण रूप से खतरे में नजर आ रही है तो दूसरी यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ते हुये देखी जा रही है? इस प्रकार से ओवर लोडिंग के चलते ग्रामीण जन इन वाहनों में अपनी जान को हथेली पर रखकर यात्रा करते हुए देखे जाते है। इस प्रकार से सड़कों पर दौड़ रहे जर्जर व ओवर लोडिंग यात्री वाहन मौत के ताबूत बने हुए हैं। मगर इसके बाद भी यातायात विभाग, ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग कोई कार्यवाही करने के लिए तैयार नजर नही आ रहा है। नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों में इन दिनों यात्रियों को बड़ी बसों की कमी की वजह से लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वहीं वाहनों की कमी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। इस कारण से सैंकड़ों ग्रामीण रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर आना-जाना करते हैं। यह बात अलग है कि वर्तमान सूर्य की तेज तपन के दौरान लोगों की आवाजाही कम देखने मिल रही है। मगर इसके बाद भी जो वाहन सड़कों पर दौड़ रहे है उनमें खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी होना आम बात बनी हुई है? यदि विगत वर्षो की घटनाओं पर गौर किया जावे तो इस प्रकार की स्थिति में अनेक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद भी उन पर अंकुश लगाते हुए नही देखा जा रहा है जिसके चलते वाहन चालकों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है। इस प्रकार से पुलिस की चालानी कार्यवाही बाइकों तक सीमित होना पुलिस की कार्य प्रणाली को संदेह के घेरे में खड़ा करते हुए जान पड़ रही है।

पंच कुण्डीय व श्री शतचंडी महायज्ञ के चलते कामती में बह रही धर्म की गंगा, गोता लगाने उमड़ रही भक्तों की भीड़

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

चल रहे अधिमास के बीच जहां क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों की धूम मची हुई देखी जा रही है। इसी क्रम में समीपस्थ ग्राम कामती में चल रहे पंच कुण्डीय व श्री शतचंदी महायज्ञ व माँ नर्मदा चिंतन महापूराण के चलते भक्तों की भीड़ उमड़ने से नही चूक पा रहा है। यज्ञ शाला प्रांगण में 5 कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण के प्रेरणास्त्रोत अवधूत महायोगी दादा गुरु भगवान की प्रेरणा से आज 25 मई तक किया जा रहा है। बीते हुये शुक्रवार की रात कथास्थल पर अवधूत महायोगी दादा गुरु भगवान का आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने भगवान की लीलाओं का वर्णन सुनाते हुये कहा कि प्रकृति ही साक्षात ईश्वर है। पेड़-पौधे, पर्वत और नदियाँ ही ईश्वर की प्रत्यक्ष अनुभूति का एक जरिया हैं। इनकी रक्षा करना ही सच्ची राष्ट्र पूजा और सनातन संस्कृति है। इस अवसर पर उन्होंने आगे कहा कि बिना किसी स्वार्थ और अहंकार के किया गया कर्म ही व्यक्ति को परमात्मा के निकट ले जाता है।उनके अनुसार, मां नर्मदा का पूरा किनारा ही उनका मठ (घर) है और समाज की भलाई ही उनका मुख्य लक्ष्य है। जब तक समाज मां नर्मदा और प्रकृति को बचाने के लिए पूरी तरह जागरूक नहीं हो जाता, तब तक मेरा यह अखंड व्रत इसी तरह निरंतर चलता रहेगा। भक्तों के बीच उन्होंने कहा कि ईश्वर कहीं दूर जंगलों या पहाड़ों में नहीं छिपा है। वह तुम्हारे भीतर ही 'आत्म' रूप में विराजमान है। उसे खोजने के लिए संसार छोड़ने की नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए सहज होने की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने बताया कि परमात्मा को पाने के लिए किसी कठिन कर्मकांड की आवश्यकता नहीं है। निर्मल मन और निष्कपट हृदय से ही उसे पाया जा सकता है। कथा में आगे कहा कि गुरु केवल एक हाड़-मांस का शरीर नहीं है, बल्कि एक चेतन ऊर्जा है जो शिष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती है।जब शिष्य अपने अहंकार को गुरु के चरणों में सौंप देता है। तब उसके भीतर के सारे विकार अपने आप समाप्त होने लगते हैं। गुरु पर किया गया दृढ़ विश्वास ही शिष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। विश्वास जितना गहरा होगा, आध्यात्मिक प्रगति उतनी ही तीव्र होगी। उन्होंने कहा कि प्रभु के नाम का स्मरण केवल पूजा के समय ही नहीं, बल्कि उठते-बैठते, खाते-पीते, सांसों के साथ चलना चाहिए। प्रवचन के अंत में माँ नर्मदा की आरती संपन्न हुई।

इस पुण्य कार्य से और बड़ा दूसरा कार्य नहीं हो सकता है

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय पढ़ रही तेज तूप के चलते जहां सड़कों पर चलने वाले लोगों के शरीर पसीने से तरबतर होते हुए देखे जा रहे है। जहां चंद कदम चलने के बाद ही पानी पीने के लिए तरसने लगते है तो फिर इस स्थिति में उन मूक पशुओं का क्या हाल होता होगा जिन्हे पानी पीने के लिए यहां वहां भटकने के लिए मजबूर देखा जाता है? क्योंकि मनुष्य को तो भगवान ने बुद्धि देने के साथ साथ इस प्रकार के अंग प्रदान किये गये है कि वह प्यास लगने पर पानी की व्यवस्था कर सकता है। मगर नगर की सड़कों पर घूमने वाले मूक पशु व पक्षी तो प्यास लगने पर न तो बोल सकते है और न ही जल स्त्रोतों से पानी निकालकर पी सकते है? मगर उन मूक प्राणियों की स्थिति को देखकर उन्हें पानी व्यवस्था कराने की सोच शायद की कुछ लोगों में देखने मिलती होगी? मगर कहा जाता है कि मूक प्राणियों की भावना को समझने वाले लोग भी होते है जो पशुओं से सिर्फ प्रेम ही नही करते है बल्कि उनकी दशा देखते हुए इस बात को भी समझ जाते है कि आखिर में वह क्या चाह रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सांईखेड़ा निवासी युवा पत्रकार दीपक अग्रवाल में देखने मिल रही है जो इस समय पड़ी रही भीषण गर्मी के दौरान नगर की सड़कों पर प्यासे घूमने वाले पशुओं से लेकर पक्षियों को पानी पिलाने का कार्य भी कर रहे है। क्योंकि जब उन्हें किसी हेण्ड पंप के पास खड़ा हुआ मूक पशु दिखाई पड़ता है तो उसकी मनोकामना को समझते हुए नल चलाना शुरू देते है जिसके चलते पशु ठंडा पानी ग्रहण करते हुए आगे की ओर बढ़ जाता है, वही दूसरी ओर नगर में जहां तहां पेड़ो की छोटे छोटे डिब्बे लगाते हुये उनमें ठंडा पानी भरते हुये पक्षियों को पानी पिलाने की सेवा में जुडे हुये देखे जा रहे है। इस सच्चाई को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि मानव जीवन में इससे बड़ा पुण्य का कार्य शायद ही दूसरा कोई हो सकता है।

मुख्य मार्गों के किनारे लगे हुये पेड़ों को आग लगाते हुये गिराये जाने से बढ़ रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राष्ट्रीय स्तर के मार्गो के किनारे लगे हुये पेड़ों को लोगों द्वारा उनके बीच आग लगाते हुये खोखला करते हुये गिराये जाने के चलते आम लोगों के लिये खतरा बनने से नही चूक रहा है, इस बात की सच्चाई बीते दिवस गाडरवारा करेली मार्ग पर ग्राम बम्हौरी के पास उस समय देखने मिली जब एक भारी भरकम पेड़ मुख्य मार्ग पर गिर जाने के कारण इस मार्ग की यातायात व्यवस्था काफी समय तक प्रभावित होते हुये देखी गई। बताया जाता है कि तत्वों द्वारा इन पेड़ो के बीच में आग रखते हुये जला दिया जाता है जिसके चलते पेड़ों का मुख्य तना कमजोर हो जाने के कारण पेड़ गिर जाते है, इस स्थिति के चलते कभी कभी यह स्थिति रहती है कि आग से जल जाने के कारण काफी समय तक यह पेड़ खड़ा रहता है, जिसके चलते मार्ग से निकनले वाले लोगों के लिये खतरा बनने से भी नही चूकता है। क्योंकि आग से जलने के बाद इस प्रकार से पेड़ के खड़े रहने के कारण जरा भी हवा

चलते हुये पेड़ गिरने की स्थिति में आ जाता है इस दौरान यदि मार्ग से कोई वाहन निकल रहा हो तो वह उसकी चपेट में आने से भी नही बच पाता है, मगर इस सच्चाई को जिम्मेदारों द्वारा नजर अंदाज किये जाने के कारण पेड़ो को आग के हवाले करने वालों के हौसले जहां बुलंद नजर आ रहे है वही दूसरी ओर आम लोगों के जीवन के लिये खतरा बनने से भी नही चूक पा रहा है।

200 रविवारों से जारी हरित संकल्प, डिंडौरी में फलदार पौधों के साथ मनाया गया विशेष पौधारोपण दिवस

शहपुरा। पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए डिंडौरी जिले के करौंदी ;तहसील शहपुराद्ध स्थित श्रीराम जानकी वाटिका में रविवार को विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अवसर इसलिए खास रहा क्योंकि स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों द्वारा चलाया जा रहा पौधारोपण महाअभियान लगातार 200 रविवार पूरे कर चुका है।इस ऐतिहासिक अवसर पर वाटिका परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजनए पर्यावरण प्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम शामिल हुए। उन्होंने स्वयं पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और इस अभियान की सराहना की।इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष बिहारी लाल साहूए कोषाध्यक्ष विवेकानंद साहूए आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट विनय कुमार झारियाए आप शिक्षा विंग के जिलाध्यक्ष देवेंद्र साहूए योग शिक्षक ब्रज बिहारी साहूए डीएसएस मध्यप्रदेश के सचिव एडवोकेट निर्मल कुमार साहू पर्यावरण प्रेमी नंदकिशोर साहू तथा विधिक सेवा समिति शहपुरा के लिपिक महेंद्र कुड़ापे सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।उपस्थित लोगों ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि लगातार 200 रविवार तक बिना रुके पौधारोपण करना क्षेत्र के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लगाए गए फलदार पौधे भविष्य में पर्यावरण शुद्ध करने के साथ.साथ पक्षियों के लिए आश्रय स्थल और आम लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

पेयजल संकट से नाराज ग्रामीण

नेशनल हाईवे पर लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

भीषण गर्मी के बीच गहराते पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश रविवार को सड़क पर दिखाई दिया। डिंडौरी.अमरकंटक नेशनल हाईवे स्थित सागर टोला चौराहे पर ग्रामीणों ने चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। अचानक हुए जाम के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। कई बार संबंधित विभाग और अधिकारियों को शिकायतें दी गईंए लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो सका। गांव में हालात ऐसे हैं कि लोगों को पीने के पानी तक के लिए भटकना पड़ रहा है। महिलाएं और बच्चे दूर.दूर से पानी लाने को मजबूर हैं।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैंए लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा। उनका कहना था कि कागजों में योजनाएं संचालित हो रही हैंए जबकि गांवों में लोग बूंद.बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पेयजल समस्या का निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जिले में हर साल गर्मी के दौरान पेयजल संकट गहराने से ग्रामीणों को सड़क पर उतरना पड़ रहा हैए जिससे प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं।घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश देकर शांत कराया। अधिकारियों द्वारा जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिए जाने के बाद जाम समाप्त कराया गया। हालांकि ग्रामीणों ने साफ कहा कि अब उन्हें केवल आश्वासन नहींए बल्कि स्थायी पेयजल व्यवस्था चाहिए।

अपर बुढ़नेर बांध परियोजना पर केंद्र सख्त आदिवासी गांवों के डूब क्षेत्र को लेकर मांगी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। मंडला और डिंडौरी जिले में प्रस्तावित अपर बुढ़नेर वृहद बांध परियोजना को लेकर अब केंद्र सरकार ने गंभीर रुख अपनाया है। आदिवासी अधिकारों और जल.जंगल.जमीन से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने मध्यप्रदेश शासन से विस्तृत जांच प्रतिवेदन तलब किया है।यह कार्रवाई जिला सरपंच संघ डिंडौरी के अध्यक्ष एवं आदिवासी नेता इंजीण फूल सिंह मरकाम द्वारा भेजी गई शिकायत के बाद की गई है। मंत्रालय ने 21 मई 2026 को जारी पत्र में मध्यप्रदेश के आदिवासी विकास विभाग को निर्देश दिए हैं कि मामले में थ्वतमेज त्पहीजे ।बज ;थ्त्।द्धए च्म्ै। ।बज तथा त्थ्ब्ज्स्।त्त ।बज 2013 के तहत सभी वैधानिक पहलुओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मंत्रालय के पत्र में उल्लेख किया गया है कि अपर बुढ़नेर बांध सहित प्रस्तावित परियोजनाओं से मंडला.डिंडौरी क्षेत्र के 22 आदिवासी गांव और एक वन ग्राम के जलमग्न होने की आशंका है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रभावित ग्राम सभाओं की सहमति लिए बिना परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया अपनाई जा रही हैए जो आदिवासी अधिकारों से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों की भावना के विपरीत है।जनजातीय कार्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन राज्य

सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता हैए इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पत्र की प्रतिलिपि मंडला और डिंडौरी कलेक्टर को भी भेजी गई हैए जिसके बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

इंजीण फूल सिंह मरकाम ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि यह केवल एक विकास परियोजना का विषय नहींए बल्कि आदिवासी समाज के अस्तित्वए संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों का सवाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम सभाओं को विश्वास में लिए बिना परियोजनाओं को स्वीकृति देने की प्रक्रिया अपनाई जा रही हैए जो थ्त। और च्म्ै। कानूनों का उल्लंघन है। उनका कहना है कि यदि परियोजना वर्तमान स्वरूप में लागू हुई तो हजारों आदिवासी परिवार अपनी पुश्तैनी जमीनए जंगलए नदी और सांस्कृतिक विरासत से विस्थापित हो सकते हैं।मामले में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद प्रभावित क्षेत्रों में आंदोलन की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई ग्राम सभाओं और सामाजिक संगठनों ने इसे आदिवासी समुदाय की बड़ी जीत बताया है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर आदिवासी समाज को उसकी जमीन और संस्कृति से अलग नहीं किया जा सकता।

विशेषज्ञों का मानना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में किसी भी बड़ी परियोजना के लिए ग्राम सभा की अनुमति और स्थानीय समुदायों की सहमति आवश्यक मानी जाती है। ऐसे में यदि बिना सहमति के परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया है तो यह गंभीर कानूनी और संवैधानिक विवाद का विषय बन सकता है।अपर बुढ़नेर वृहद बांध परियोजना अब केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रह गई हैए बल्कि यह आदिवासी अस्मिताए जल.जंगल.जमीन और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई का बड़ा मुद्दा बनती जा रही है। डिंडौरी और मंडला के आदिवासी अंचल से उठी यह आवाज अब दिल्ली तक पहुंच चुकी हैए जिससे आने वाले समय में इस मामले के राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

समनापुर से लाई जा रही अवैध शराब पकड़ाई ग्रामीणों ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले में अवैध शराब कारोबार को लेकर एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। समनापुर शराब दुकान से स्कूटी के माध्यम से जिला मुख्यालय की ओर लाई जा रही कथित अवैध शराब को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। घटना के बाद मौके पर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।ग्रामीणों के अनुसार स्कूटी में बड़ी मात्रा में शराब रखी गई थी। सूचना मिलने पर 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची। वायरल वीडियो में ग्रामीण पुलिसकर्मियों से मौके पर ही शराब की गिनती कराने और नियमानुसार कार्रवाई की मांग करते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि पुलिस ने मौके पर शराब की गिनती या पंचनामा तैयार किए बिना शराब को सीधे 112 वाहन में रख लिया।

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब आरोपी और बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पकड़े जाने के बाद वाहन और आरोपी को सीधे थाने ले जाना चाहिए था लेकिन पुलिस पहले शराब दुकान पहुंच गई। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए विरोध दर्ज कराया। बाद में मामला थाने पहुंचा जहां आगे की कार्रवाई की गई।घटना के बाद क्षेत्र में नाराजगी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि जिले में अवैध शराब कारोबार लगातार बढ़ रहा है और यदि पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करे तो इस पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस की ढिलाई के कारण अवैध शराब का कारोबार फल.फूल रहा है।सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि इस मामले में पुलिस विभाग की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर ने बैठक कर सौंपा ज्ञापन

अमरपुर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर की आयोजित बैठक में नवनियुक्त शहपुरा विधानसभा प्रभारी अभिनव चौरसिया उपस्थित हुए जिनका जोरदार स्वागत उपरांत गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की गई। ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर द्वारा बैठक में उपस्थित पदाधिकारीए कार्यकर्ताओं से बैठक का उद्देश्य बताते हुए मंडलम अध्यक्षों से मंडलम कमेटी एवं सेक्टर कमेटी का पुनर्गठन की प्रक्रिया बताते हुए पंचायत स्तर पर कमेटी गठन में प्रगति लाते हुई गठन पूर्ण करने कहा गया। विधानसभा प्रभारी श्री चौरसिया ने सभी कार्यकर्ताओं से अपने क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी की योजना और रीतिए नीति गांव.गांव घर.घर तक पहुंचने की अपील करते हुए अपने.अपने कार्य क्षेत्र में सतत संघर्ष करने एवं आगामी चुनाव में कांग्रेस को विजयश्री दिलाने की बात कही गई। वहीं पर कार्यकर्ताओं ने भी अपने.अपने सुझाव संगठन को दिए। इनके अलावा जनसमस्या निवारण प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष तोक मरावीए मंडलम अध्यक्ष राम प्रसाद धुर्वेए गणेश प्रसाद पुषामए आदिवासी ब्लॉक उपाध्यक्ष चमरु सिंह चड़चढिया आदि ने भी कांग्रेस पार्टी के हित में सार्थक सुझाव दिए। आयोजित बैठक के अंत में अमरपुर जलाशय की नहर जोकि दो वर्ष बाद भी अधूरा हैंए जिसकी जांच की मांग की गई हैं। भाखा जलाशय की नहर में पानी न आने से किसान सिंचाई से वंचित रहते हैं। राजस्व विभाग में वर्षों से लंबित प्रकरणों में शिविर के माध्यम से निपटाया जाए एवं उप तहसील अमरपुर में स्थाई नायब तहसीलदार पदस्थ किया जाए। किसानों को सुविधा पूर्वक समय पर खाद व बीज उपलब्ध कराया जाए। विद्युत व्यवस्था सुदृण कराना एवं मोबिलाइजरों की सेवा बहाल करना आदि 6 बिंदुओं का ज्ञापन महामहिम राज्यपाल के नाम चौकी प्रभारी को सौंपा गया। आयोजित बैठक में प्रमुख रूप से पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत हरदहाए किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राय सिंह मरकामए समाज कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव लियाकत अलीए शहपुरा सोशल मीडिया विभाग विधानसभा अध्यक्ष देव सिंह भारतीए शान मंसूरीए इंद्र सिंह परस्तेए मनीष कुमार गायकवाड़ए मनोज कुमार तारामए अनूप सिंह सरौतेए जगत सिंह धुर्वेए भगवत सिंहए मूलचंद पट्टाए करन सिंह पट्टाए राम दयाल घुटियाए शोभा सिंह बालरेए रामदीन आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

मां नर्मदा तट पर फिटनेस का उत्साह, संडे एरोबिक्स में उमड़ी बच्चों और युवाओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू भदौरिया के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित श्ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आरोह.2026श के अंतर्गत रविवार को मां नर्मदा नदी तट स्थित पुल के पास विशेष संडे डांस एरोबिक्स कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर 5 मई से 5 जून तक जिले में संचालित किया जा रहा है।कार्यक्रम में एरोबिक्सए योग एवं सामूहिक फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गयाए जिसमें बच्चों के साथ उनके परिवारजन एवं स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकताए अनुशासन और सामुदायिक सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा स्वयं भी फिटनेस गतिविधियों में शामिल होकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।आयोजन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के खेल अधिकारीए जिला खेल प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारीए ब्लॉक समन्वयकए एसडीएम रामबाबू देवांगनए डॉण् संतोष परस्तेए मिथिलेश झरियाए मनोज चौकसेए जागेश्वर पद्वारए सीआरपी कुशवाहाए चेतराम अहिरवारए आरती सोंधियाए सुनीताए लक्ष्मी बनावलए राजकुमार एवं श्रीमती अनीता सहित कई अधिकारीए कर्मचारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। एरोबिक प्रशिक्षक आदर्श परस्ते एवं सुश्री सुनीता का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम की सफलता पर कलेक्टर श्रीमती अंजू भदौरिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रत्येक रविवार को इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिएए ताकि आमजन खेल एवं फिटनेस गतिविधियों से जुड़कर स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित हो सकें।नर्मदा तट के प्राकृतिक और सकारात्मक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि आगामी 31 मई 2026 को प्रातः 7 बजे आयोजित होने वाली गतिविधियों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों।

जिला चिकित्सालय में बनेगा रैन बसेरा एसडीएम ने किया प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के परिजनों एवं दूरदराज से उपचार के लिए आने वाले लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अस्पताल परिसर में रैन बसेरा निर्माण की कवायद तेज हो गई है। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर शुक्रवार को एसडीएम रामबाबू देवांगन ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अमित तिवारीए सिविल सर्जन तथा अधिवक्ता सम्यक जैन भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अस्पताल परिसर में उपलब्ध स्थानों का अवलोकन कर रैन बसेरा निर्माण के लिए उपयुक्त स्थल चयन को लेकर चर्चा की। साथ ही मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को होने वाली समस्याओं पर भी विस्तार से विचार.विमर्श किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचते हैं। ऐसे में उनके साथ आने वाले परिजनों को रात में ठहरने के लिए पर्याप्त एवं सुरक्षित सुविधा नहीं मिल पातीए जिसके कारण उन्हें खुले में अथवा असुविधाजनक परिस्थितियों में रात बितानी पड़ती है।एसडीएम रामबाबू देवांगन ने कहा कि रैन बसेरा निर्माण से जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे अस्पताल आने

वाले मरीजों के परिजनों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ठहरने की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने तथा सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित रैन बसेरा में पेयजलए शौचालयए प्रकाश व्यवस्थाए बैठने तथा रात्रि विश्राम की समुचित सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। नगर परिषद के अधिकारियों को भी निर्माण कार्य की रूपरेखा तैयार कर शीघ्र अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गएए ताकि आमजन को जल्द लाभ मिल सके।इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन एवं नगर परिषद के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने जिला चिकित्सालय परिसर में रैन बसेरा निर्माण की पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

शहपुरा में झारिया सेवा समिति की पहलू कैरियर काउंसलिंग में जुटे 300 से अधिक विद्यार्थी

विशेषज्ञों ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र करियर निर्माण के बताए प्रभावी उपाय

शहपुरा। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के उद्देश्य से झारिया सेवा समिति शहपुरा द्वारा विशाल कैरियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहपुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से कक्षा 10वीं एवं 12वीं के 300 से अधिक छात्र.छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञों से कैरियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सही दिशाए लक्ष्य निर्धारण और सफलता के लिए प्रभावी रणनीति उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर प्रशासनिकए शैक्षणिक एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े अनुभवी अधिकारियों और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओंए उच्च शिक्षाए तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा रोजगार के विविध अवसरों की जानकारी दी।

मेंटर के रूप में कौटिल्य एवं पार्थ अकादमी के फैकल्टी अभिषेक ब्यौहारए कस्टम एंड एक्साइज इंस्पेक्टर वाशु दुबेए नीति लैब की फाउंडर तनु सोनपालीए कृषि विस्तार अधिकारी श्रीपाल पाटीदारए मेकलसुता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप दुबेए मेरिट हब अकादमी शहडोल के इमरान खान तथा पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रोफेसर सचिन वासनिक ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारणए समय प्रबंधनए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और

आत्मविश्वास के महत्व पर मार्गदर्शन दिया।इसके अलावा प्रोफेसर किशोर डहरियाए नरेंद्र मेहरा एवं डोगेंद्र बोपचे ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन अपनाने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शकों की उपस्थिति भी विशेष रही। समिति के संरक्षक एवं सेवानिवृत्त ऑडिटर सीडीए शोभाराम झारियाए सेवानिवृत्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं अध्यक्ष यूपी झारियाए साहित्यकार एवं पूर्व अध्यक्ष गणेश प्रसाद चंदेल तथा संस्कार पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर एवं झारिया ;मेहराद्ध युवा संघ के प्रांतीय अध्यक्ष लाला प्रसाद झारिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से बड़ी सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं।कार्यक्रम का संचालन समिति के कोषाध्यक्ष पृथ्वी झारिया ने किया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने विशेषज्ञों से अपने कैरियर संबंधी प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए।इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिकए वरिष्ठजन एवं पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने झारिया सेवा समिति के इस सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रयास की सराहना करते हुए इसे युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

खबर संक्षेप

वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंह मंदिर में विराजमान भगवान पञ्चमुखी श्री गणेश जी महाराज का वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में 25 में को विविध कार्यक्रम होंगे। जिसमें भगवान श्री गणेश जी महाराज का प्रातः 7 बजे से अभिषेक अर्चन अनेक प्रकार के फलों से श्रृंगार षोडशोपचार पूजन हवन एवं संध्या काल महाआरती छप्पन भोग प्रसाद वितरण सायं 7 बजे होगा। श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट ने बताया कि जो भी श्रद्धालु अभिषेक हवन में शामिल होना चाहते हैं वे पंडित जवाहर दुबे जी से 24 मई की शाम तक संपर्क कर सकते हैं। मो . 7697959438, जो छप्पन भोग में प्रसाद लाना चाहते हैं वे भी पुजारी जवाहर दुबे जी से संपर्क करें। विदित हो कि 23 मई 2023 को नरसिंह मंदिर में पूज्य शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज जी के मार्गदर्शन और सानिध्य में भगवान श्री गणेश की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ था।

5 नगर सांभर के सींग सहित आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशगंज पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए वन्य जीव सांभर के 5 नग सींग के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अपने पास किसी वन्य प्राणी के अवशेष रखे हुए है तथा उन्हें बेचने की फिराक में घूम रहा है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार में लेने हेतु बनायी गयी प्रभावी कार्ययोजना के तहत घेराबंदी की गयी जिसमें एक आरोपी को सांभर के सींग सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। आरोपी परमलाल पिता गुरुशरण ठाकुर, उम्र 22, निवासी ग्राम बिछुआ कला, चौकी सिंहपुर, थाना स्टेशनगंज से वन्य प्राणी (सांभर) के 5 नग सींग जप्त किए गए। वन विभाग द्वारा आरोपी के विरूद्ध धारा 39/51 वन्यप्रणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रकरण पंजीवद्ध किया गया।

बहुजन समाज पार्टी के नए पदाधिकारियों की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) जिला इकाई के तत्वाधान में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। रविदास मंदिर झिरना में आयोजित इस बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा की गई और आगामी चुनावों को देखते हुए जिला कमेटी में बड़ा फेरबदल करते हुए नए पदाधिकारियों की नियुक्तियों की घोषणा की गई। बैठक की अध्यक्षता बसपा के जिला अध्यक्ष गिरवर टेटवाल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल से पधारे उमाकांत बंदेवार उपस्थित रहे। नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा मुख्य अतिथि उमाकांत बंदेवार की उपस्थिति में जिला कमेटी का पुनर्गठन करते हुए निम्नलिखित नियुक्तियां की गईं जिसमें जिला अध्यक्ष गिरवर सिंह टेटवाल उपाध्यक्ष रामसेवक लोधी, महासचिव मोहन चैधरी (पेन्टर), सचिव चंद्रभान पटैल सहित अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई।

गंगा दशहरा का पर्व कल और कमला एकादशी व्रत बुधवार को

तेंदूखेड़ा । गंगा जी के अवतार का महापर्व गंगा दशहरा इस वर्ष 26 मई मंगलवार को मनाया जाएगा। हमारी पौराणिक मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को स्वर्ग से गंगा जी का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था।जब जब ज्येष्ठ के महीने में अधिक मास होता है तब गंगा दशहरा अधिक मास में ही मनाया जाता है।

स्वास्थ्य विभाग का कारनामा, बुलट ट्रेन की तरह दौड़ी फायलें

अधिकारी के हस्ताक्षर बढ़ा रहे संदेह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

स्वास्थ्य विभाग सरकार का सबसे महत्वपूर्ण विभाग होता है एवं सरकार द्वारा बजट आवंटित करते समय सबसे पहले स्वास्थ्य विभाग को दिया जाता है। पदो पर भी शिक्षित और योग्य व्यक्तियों को पदोन्नत किया जाता है। लेकिन उसके विपरीत स्वास्थ्य विभाग में ऐसे अधिकारी भी है जो बिना देखे परखे हस्ताक्षर कर फाइलों को निपटाने का कार्य करते नजर आते है। ऐसा ही मामला जिले से सामने आया जहां पर डाक्टर द्वारा मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के हस्ताक्षर कर दिया वह भी बिना की आवश्यक हस्तकृत किए। बात यहां तक ही नही रही बल्कि यह आदेश सूचनार्थ मुख्य कार्यालय भोपाल, क्षेत्रीय संचालक, कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी एवं पालनार्थ हेतु जिले की सभी शासकीय अस्पताल को भेजा गया है।

मामला इस प्रकार

खसरा और रूबेला जैसी गंभीर बीमारियों की सटीक पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सैंपल भेजे जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में कोल्ड चैन एक ऐसी तकनीकी व्यवस्था है, जिसके तहत तापमान-संवेदनशील चिकित्सीय सामग्रियों और सीरम के नमूनों को अस्पताल से मुख्य प्रयोगशाला तक पहुँचाने के दौरान एक निश्चित कम तापमान पर सुरक्षित रखा जाता है। यदि परिवहन के दौरान इस निर्धारित तापमान का पालन नहीं होता या नमूनों को पहुँचाने में देरी होती है, तो उनकी जैविक संरचना बदलने से जांच के परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। हाल ही में कुछ मामलों में ऐसी ही लापरवाही और विलंब सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा आदेश क्रमांक आई.डी.एस.पी./2026/4912 दिनांक 22.05.2026 जारी कर जिला एवं ब्लॉक स्तर के सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारी के हस्ताक्षर पर सवाल

स्वास्थ्य विभाग में नियम-कायदों की दुहाई देना तो आम बात है, लेकिन जब खुद अधिकारियों की कार्यप्रणाली की बात आती है, तो प्रशासनिक बारीकियों को किस तरह ताक पर रख दिया जाता है, इसका एक बड़ा उदाहरण सामने आया है। खसरा-रूबेला निगरानी के अंतर्गत भेजे जाने वाले नमूनों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए कोल्ड चैन का उचित रखरखाव करने के संबंध में एक आदेश जारी किया गया है। लेकिन इस आदेश के जारी होने की रफ्तार और उस पर किए गए हस्ताक्षर अब खुद ही एक बड़ा सवाल बन गए हैं। दरअसल, पत्र व्यवहार के स्थापित सरकारी नियमों के अनुसार, जब कोई मुख्य अधिकारी उपलब्ध न हो और उसकी जगह कोई अन्य अधिकारी हस्ताक्षर करता है, तो उसे अपने पदनाम के आगे कृते या फॉर लिखना अनिवार्य होता है। यह इस बात का कानूनी प्रमाण होता है कि वह मूल अधिकारी की अनुपस्थिति में उनके आदेश या सहमति से हस्ताक्षर कर रहा है।

एक दिन में पूरी हो गई कार्रवाई

विभाग द्वारा जारी इस आदेश में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अलग-अलग स्तरों के इस पूरे पत्र व्यवहार में कहीं भी फॉर या कृते शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है। कोई भी जिम्मेदार यह स्पष्ट करने को तैयार नहीं है कि वे किसकी अनुपस्थिति में या किसके अधिकार से ये हस्ताक्षर कर रहे हैं। इसके साथ ही, फाइलें दौड़ने की रफ्तार भी संशय पैदा करती है। दिनांक 22.05.2026 को ही जबलपुर से संदर्भ पत्र जारी होता है, उसी दिन जिला सर्विलांस अधिकारी के यहाँ पत्र पहुँचता है , उसी दिन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के हस्ताक्षर होते हैं और उसी दिन नरसिंहपुर, करेली, गोटेगांव, चावरपाठा, बाबई चीचली, साईंखेड़ा सहित सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को आदेश भी जारी कर दिया जाता है। आम तौर पर हफ्तों लटकी रहने वाली फाइलें एक ही दिन में सर्विलांस अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारी स्तर तक पहुँच गईं और बिना कृते किए ही हस्ताक्षर भी हो गए, जो स्वास्थ्य विभाग के भीतर प्रशासनिक प्रक्रियाओं और कानूनी बारीकियों को लेकर बरती जा रही घोर लापरवाही को दर्शाता है।

जांच की सटीकता के लिए यह है गाइडलाइन

इस संबंध में जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार अब सभी सीरम नमूनों को दो से आठ डिग्री सेल्सियस तापमान पर उपयुक्त रूप से कंडीशन किए गए आइस पैक के साथ ही भेजा जाना अनिवार्य है। नमूनों के परिवहन के लिए उपयोग होने वाले कोल्ड बॉक्स एवं वैक्सीन कैरियर पूरी तरह सही स्थिति में होने चाहिए और उन्हें उचित तरीके से पैक किया जाना चाहिए। मरीज के नमूनों को बिना किसी देरी के निर्धारित समय सीमा के भीतर ही मुख्य प्रयोगशाला में पहुँचाया जाए और भेजे जाने वाले प्रत्येक नमूने के साथ उचित लेबलिंग एवं आवश्यक प्रपत्र संलग्न होना चाहिए। जांच की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर कोल्ड चैन की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथ ही सभी जांच केंद्रों को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि वे केवल साफ सीरम नमूने ही भेजें, पूरी तरह से खून या खराब हो चुके खून के नमूने बिल्कुल न भेजे जाएं क्योंकि इनसे टेस्ट रिजल्ट प्रभावित हो सकते हैं।

7 दिवसीय एफ.एम.डी. टीकाकरण अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पशुपालन विभाग के द्वारा विकासखंड करेली में पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से सात दिवसीय एफ.एम.डी. (खुरपका-मुंहपका) टीकाकरण अभियान का का शुभारंभ शुक्रवार को ग्राम पंचायत जनौर से किया गया। यह अभियान करेली विकासखंड में 28 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। शासन की मंशा के अनुरूप पशुपालन क्षेत्र में आय वृद्धि सुनिश्चित करने हेतु पशुओं का स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ पशुओं से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होती है, जिससे पशुपालकों की आय में स्वतः बढ़ोतरी होती है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए उप संचालक पशुपालन डॉ. एस. के. बृजपुरिया के निर्देशन में यह अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान का संचालन डॉ. श्रेया दुबे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। मैत्री कार्यकर्ता अनुज तिवारी एवं विकास संस्थान से जुड़े गो-मैत्रियों के नेतृत्व में टीकाकरण कार्य सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। साथ ही सभी मैत्री कार्यकर्ताओं को निर्धारित समयावधि में अभियान पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने में मैत्री कार्यकर्ता योगेश यादव, आदित्य रजक एवं दुर्गेश मेहरा का विशेष सहयोग सराहनीय है।

कागजों मे बने तालाब, कुम्हड़ी पंचायत का कारनामा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा गरीब व किसानो बेहतर सुविधाए देने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का कार्य करते है और सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं किसानों व गरीबों लाभांवित नही कर पाती है। ऐसा ही मामला जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत कुम्हड़ी से सामने आया जहां पर कागजो में खेत तालाब का निर्माण कराकर राशि आहरित कर ली गई। उक्त मामले को लेकर जागरूक नागरिक द्वारा जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा उक्त मामले मे क्या कार्रवाई की जाती है। शिकायत मे बताया गया है कि ग्राम पंचायत कुम्हड़ी जनपद पंचायत करेली में जल गंगा जल संवर्धन योजना के अंतर्गत लगभग 80-90 तालाबों का निर्माण वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक निर्मित हुए हैं, भौतिक रूप ग्राम में तालाबों का निर्माण नहीं हुआ है मात्र कागजों में ही योजना की खानापूर्ति की गई है, योजना में वित्तीय अनियमितताए एवं भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। फर्जी तरीके से बिलिंग की गई है एवं इंजीनियर ने भौतिक सत्यापन एवं कार्य की असत्य रिपोर्ट लगाई है जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, एवं जनपद पंचायत करेली के एकाउन्टेट, योजना में कार्यरत बाबू एवं अधिकारियों की मिलीभगत व सांठगांठ है। कई ऐसे हितग्राही हैं जिन्हे यह पता भी नहीं है कि उनके नाम से खेत तालाब योजना के तहत राशि निकाली जा चुकी है तथा ग्राम के अनपढ़ सीधे साधे किसानों को रूपयों का लालच देकर योजना से लगभग 2 करोड़ रूपये का पंचायत के सभी कार्यों में गबन किया गया है जिसकी निष्पक्ष जांच एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारियों के विरूद्ध ठोस कार्रवाई की मांग की गई है।

जैन समाज का संकल्प: मुनि संघों की सुरक्षा के लिए बनेगा सामाजिक सुरक्षा कवच

आर्यिका माताजी को दी भावभीनी विनयांजलि, समाज ने लिया जागरूकता और सुरक्षा का संकल्प

गोटेगांव।

रीवा में 20 मई को हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में पूज्य आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका श्री उपशममति माताजी के असामयिक समाधि मरण से संपूर्ण जैन समाज शोकाकुल है। इसी क्रम में गोटेगांव के विद्या भवन में सकल जैन समाज द्वारा एक विशाल विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के विभिन्न जैन मंदिरों के पदाधिकारी, मातृशक्ति, श्रावक-श्राविकाएं तथा आसपास के नगरों से आए समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने नम आंखों से पूज्य माताजी के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भावभीनी विनयांजलि दी। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण नगर में विराजमान परम पूज्य आर्यिका श्री भावनामति माताजी ससंघ का प्रेरणादायी उद्बोधन रहा।"यह केवल विनयांजलि नहीं, जागरण और संकल्प सभा है"अपने मंगल प्रवचन में आर्यिका श्री भावनामति माताजी ने कहा कि यह समय केवल भावुक होकर शोक व्यक्त करने का नहीं, बल्कि जागरूक होने और जिम्मेदारी निभाने का है। उन्होंने कहा कि जैन मुनि महाराज एवं आर्यिका संघों की सुरक्षा का दायित्व संपूर्ण जैन समाज का है। समाज यदि सजग रहेगा तो भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है।माताजी ने उपस्थित जनसमुदाय का आह्वान करते हुए कहा कि जब भी किसी मुनि संघ अथवा आर्यिका संघ का विहार, निहार या आहार हो, तब समाज के श्रावक-श्राविकाएं उनकी सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से साथ रहें और एक सुदृढ़ सुरक्षा कवच का निर्माण करें।समाज ने एकमत होकर लिया संकल्पआर्यिका श्री के आह्वान पर गोटेगांव जैन समाज ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि भविष्य में किसी भी मुनि संघ या आर्यिका संघ के पैदल विहार के दौरान समाजजन उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। संघ के साथ चलकर सड़क मार्गों पर आवश्यक सावधानी बरती जाएगी तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा।अनेक गणमान्यजन रहे उपस्थितसभा में सिंघई अनिल जैन, राजकुमार जैन (जिला अध्यक्ष, दिगंबर जैन महासभा), वरिष्ठ पत्रकार अनिल जैन, ब्रह्मचारी मुकेश भैया, ब्रह्मचारी आदीश भैया, सिंघई पंकज जैन (अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर कमेटी) सहित अनेक समाजसेवियों एवं धर्मानुरागियों ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने पूज्य आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं उपशममति माताजी के असमय समाधि मरण पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक विनयांजलि अर्पित की।कार्यक्रम में इटारसी सहित विभिन्न नगरों से आए जैन श्रावक-श्राविकाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभा का समापन माताजी के प्रति श्रद्धांजलि और समाज की एकजुटता के संकल्प के साथ हुआ।

खकरैडी

पेयजल को लेकर आदिवासी ग्रामीण क्षेत्रों के बुरे हाल हेंड पंप से निकल रहा लाल मचा पानी

तेंदूखेड़ा। इन दिनों जमीनी जल स्तर काफी नीचे चले जाने के कारण हेंड पंपों से पानी ना निकलने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर स्थिति बनीं हुई है। वहीं इस भयाभय स्थिति से निपटने के लिए शासन ने पूर्व में ही करोड़ों रुपए खर्च करके नल जल योजनाओं के माध्यम से गांव गांव पानी देने के लिए इंतजाम तो किये थे लेकिन ठेकेदारों की मनमानी और अधिकारियों की मिली भगत के चलते जहां शासन के उद्देश्य पूर्ण नहीं हो पाये है वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी को लेकर त्राही त्राही हो रही है।ऐसा ही एक मामला आदिवासी वनांचल खकरैडी ग्राम का विषय भी सामने आया है। जहां के वाशिंदे पानी के लिए दो से चार हो रहें हैं। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार ग्राम खकरैडी के आदिवासियों का कहना है कि गांव में 8 हेडपंप लगे हुए हैं लेकिन जमीनी जल स्तर काफी नीचे चले जाने के कारण यहां पर हेंडपंपो से काफी कम मात्रा में पानी निकल रहा है। दो कुप्पा भरने के बाद लाल मचा हुआ पानी आ रहा है। जंगल किनारे बसे इस वनांचल में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। यहां की नलजल योजना को लेकर पूर्व से ही लोगों द्वारा शिकायतें की गई थी लेकिन बात आई गई हो जाती है।

इमलिया गांव के लोग खेतों से भर कर ला रहे पानी

जंगल की तलहठी में बसे यह आदिवासी बाहुल्य वनांचल ग्राम पंचायत मर्रावन के अंतर्गत चार पांच गांव आते हैं जिनमें मौआखेडा छोट और बड़ा ब्रह्मनी खकरेडी और इमलिया गांव आते हैं।यह क्षेत्र नरसिंहपुर जिले के साथ सागर रायसेन जिले की सीमा क्षेत्र कहलाता है इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम इमलिया की भी भयाभय स्थिति बनीं हुई है। यहां के लोगों का कहना है कि यहां पर पांच हेडपंप लगे हुए हैं लेकिन एक दो नल ही काम कर रहे हैं उनमें भी कुछ देर बाद पानी रुक रुक कर आ रहा है। आगे नदी तरफ स्थित खेतों के कुओं से पानी गाड़ी बैल के माध्यम से लाना पड़ता है। और मवेशियों को भी पानी पिलाने ले जाया करते हैं। विभागीय अधिकारियों को बोला जाता है तो अधिकारियों द्वारा आज कल करके 15 /15 दिनों बाद आने की फुर्सत मिल पाती है। और बाहन तथा आदमी ना होने का हबाला देकर चले जाते हैं।

करकबेल में श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का सातवां दिवस संपन्न, सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन

कथा सबको मोक्ष प्रदान करने वाली है : आचार्य अनंत तिवारी

गोटेगांव।

गोटेगांव समीप ग्राम करकबेल में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के सातवें एवं अंतिम दिवस पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कथा व्यास आचार्य अनंत तिवारी ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य चरित्रों का विस्तार से वर्णन करते हुए भक्तों को भक्ति, मित्रता और मोक्ष का संदेश दिया।सप्तम दिवस की कथा में आचार्य तिवारी ने भगवान श्री द्वारकाधीश श्रीकृष्ण की 16 हजार 108 रानियों के प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान अपने भक्तों के उद्धार और धर्म की स्थापना के लिए विभिन्न लीलाएं करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन मानव समाज के लिए आदर्शों और प्रेरणाओं से परिपूर्ण है।कथा के दौरान सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की निष्काम एवं सच्ची मित्रता को जीवन का आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि मित्रता में कभी भी धन, पद या प्रतिष्ठा का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने अपने निर्धन मित्र सुदामा का सम्मान किया, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को अपने संबंधों में प्रेम, अपनत्व और सम्मान का भाव बनाए रखना चाहिए।कथा व्यास ने कहा कि श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हमें सिखाती है कि सच्चा मित्र वही होता है जो हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहे। जीवन में प्रेम, करुणा और परोपकार के भाव को अपनाकर ही मानव अपने जीवन को सार्थक बना सकता है।कथा के विश्राम प्रसंग में उन्होंने राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा का भी विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि श्रद्धा, भक्ति और भगवान के नाम का स्मरण मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति कराता है। श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शक है।आचार्य अनंत तिवारी ने कहा कि श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का वाङ्मय विग्रह है, जो समस्त सृष्टि के कल्याण में सक्षम है। कथा का श्रवण मनुष्य के अंतःकरण को शुद्ध करता है और उसे ईश्वर की भक्ति तथा मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से नियमित रूप से भगवान की भक्ति करने तथा कथा-सत्संग में सहभागिता करने का आग्रह किया।सप्तम दिवस पर कथा पंडाल में श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर कथा श्रवण की। भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कथा के समापन अवसर पर क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं ग्रामवासियों ने धर्मलाभ प्राप्त किया तथा आयोजन समिति ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।